a2zpapers.com

Exam. Code : 216303
Subject Code : 4361

M.A. Hindi 3rd Semester

HINDI KAHANI

Paper—XV, Opt. (ii)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न-पत्र **दो** भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

भाग—I

यह भाग **दो** उपभागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

उपभाग—क

निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

1. वैसे जैसे बहुत देर से प्रयोग में न लाये हुए अंग को व्यक्ति एकाएक उठाने लगे और पाये कि वह उठता ही नहीं है, चिरस्मृति में मानो मर गया है, उतने क्षीण बल से (यद्यपि वह सारा प्राप्य बल है) उठ नहीं सकता··· मुझे ऐसा जान पड़ा, मानो किसी जीवित प्राणी के गले में किसी मृत जन्तु का तौक डाल दिया गया हो, वह उसे उतारकर फेंकना चाहे, पर उतार न पाये···

2. चाहे मुसलमान मरे, चाहे हिन्दु ! मेरा मकसद तो इतना है कि चाहे हिन्दु हो चाहे सिख हो, चाहे मुसलमान हो, जो मैंने देखा है वह किसी को न देखना पड़े; और मरने से पहले मेरे

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

घर के लोगों की जो गति हुई, वह परमात्मा न करे, किसी की बहू-बेटियों को देखनी पड़े !

3. जब सब पीछे छूट गया तो भीतर से एक गहरी नि:श्वास निकली थी, शायद मुक्ति की। अपने ही शरीर का फोड़ा जब सूख जाता है तो मरी हुई खाल को शरीर से खींचकर अलग करते समय जैसी भावना आती है, कुछ-कुछ वैसी ही।

4. अपनी कोठरी में और कोई कष्ट नहीं था, पर भयंकर गर्मी के दिन और पंखा नहीं। रात जैसे-तैसे छत पर कट जाती, पर दोपहर में तो छत पर बने ये कमरे भट्टी की तरह जलते थे। छुट्टियों के दिन बिताए नहीं बीत रहे थे। अपनी किसी सहेली के यहाँ जाने की इच्छा नहीं होती थी। पड़ोस तक में जाना छोड़ रखा था। दु:ख में कोई साथी नहीं होता। बस, एक गांठ बांध रखी थी जब तक ये बुरे ग्रह टल नहीं जाते, तब तक सभी कुछ चुपचाप सहन करना है।

5. मुझे कभी बाहर जाना पड़ा, तो तुम्हीं को काम संभालना है। नौकर कभी किसी को कमाकर नहीं खिलाते। जमीन-जायदाद का काम करना हो तो सुस्ती से काम नहीं चलता। कुछ हिम्मत से काम लिया करो।

6. सामाजिक शक्तियों को समझे बिना तुम बौद्ध धर्म को भी कैसे समझ पाओगे ? ज्ञान का प्रत्येक क्षेत्र एक-दूसरे से जुड़ा है, जीवन से जुड़ा है। कोई चीज़ जीवन से अलग नहीं है। तुम जीवन से अलग होकर धर्म को भी कैसे समझ सकते हो ?

4×6=24

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

उपभाग—ख

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. कहानी के तत्त्वों पर प्रकाश डालें।
2. अज्ञेय की 'सांप' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध करें।
3. 'यही सच है' के कथ्य पर विचार करें।
4. 'रतन' के चरित्र को रेखांकित करें।
5. भीष्म की कहानी 'चीफ की दावत' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालें।
6. मन्नू भण्डारी की भाषा पर विचार करें। 4×6=24

भाग—II

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. हिन्दी कहानी के विभिन्न आंदोलनों पर प्रकाश डालें।
2. अज्ञेय की कहानियों में मनोविज्ञान को व्याख्यायित करें।
3. मन्नू भण्डारी की कहानियों में अस्तित्ववादी चेतना पर विचार करें। 2×16=32

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab